C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7) पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

गुरु पूर्णिमा के दिन हम गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान करते हैं। गुरु शब्द का अर्थ है 'अधंकार को दूर करने वाला'। गुरु अज्ञान को दूर करके हमें ज्ञान का प्रकाश देता है। वह ज्ञान जो हमें बतलाता है कि हम कौन हैं; विश्व से कैसे जुड़ें और कैसे सच्ची सफलता प्राप्त करें। आज छात्रों की प्रवृत्ति शिक्षक को कमतर आँकना है। आज का दिन उस संतुलन को पुनः स्थापित करने में सहायक होता है। यह जीवन के हर क्षेत्र में गुरु के महत्त्व पर बल देता है। एक खिलाड़ी की प्रतिभा एक कोच की विशेषज्ञता के अंतर्गत दिशा प्राप्त करती है। समर्पित संरक्षक गुरु एक संगीतकार की प्रतिभा को तराशता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

है। अध्यात्म के मार्ग में एक खोजी के मस्तिष्क का अज्ञान गुरु का प्रबोध दूर करता है। गुरु-शिष्य का संबंध सर्वाधिक महत्त्व का है। गुरु के लिये गोविंद जैसी श्रद्धा होती है। ब्रह्म-विद् और ब्रह्मज्ञानी तथा ईश्वरीय साक्षात्कार में स्थित गुरु जो सूक्ष्मतम आध्यात्मिक संकल्पनाओं को प्रदान करने मे समर्थ हो, उसके मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है। गुरु के प्रति संपूर्ण समर्पण एक छात्र की सर्व प्रथम योग्यता है।

1. गुरु पूर्णिमा के दिन हम क्या करते हैं?
2. गुरु शब्द का क्या अर्थ है? स्पष्ट करें।
3. आज छात्रों की प्रवृत्ति गुरु के प्रति कैसी है?
4. गुरु के मार्गदर्शन के बिना क्या असंभव है?
5. एक खिलाड़ी, एक संगीतकार और एक खोजी मस्तिष्क के लिए गुरु किस प्रकार से सहायक है?
6. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- कौशल
- कृत्रिम
- सीमावर्ती

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए।[3]

- अगुली
- बासुरी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

- डिविजन
- गाफिल

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- कनकड़
- मनजीरा

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- प्रोत्साहित
- होनहार

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए।

- प्रसंग
- दुर्घटना

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए।

- अंकित
- चर्चित

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. निधि विधि सानिका और श्यामली खेल रही हैं।
2. यह सब क्या हो रहा है
3. महायज्ञ सेठ ने आश्चर्य से कहा

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों में सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- शुभारंभ
- उपर्युक्त

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- अतएव
- रूपांतरण

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:[2+2+2=6]

1. सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ?
2. उस स्त्री के लड़के की मृत्यु का कारण क्या था?
3. लोग किन-किन चीज़ों का वर्णन करते हैं?
4. साधारण से साधारण आदमी तक के दिल में क्या बात अच्छी तरह घर कर बैठी है?

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. 'बुद्धि पर मार' के संबंध में लेखक के क्या विचार हैं?
2. लेखक भगवाना की माँ की सहायता करना चाहते हुए भी क्यों न कर पाया?

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
2. जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है, वहाँ का माहौल कैसा होता है?
3. अवध नरेश को चित्रकूट क्यों जाना पड़ा?
4. ‘और मुफ़लिस-ओ गदा है वो भी आदमी’ - पंक्ति में किसके विषय में कहा जा रहा है?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है?
2. कवि अग्नि पथ पर चलते हुए छाँह माँगने के लिए मना क्यों करता है?

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. दिए जल उठे पाठ द्वारा यह कैसे सिद्ध होता है कि – 'कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालिक सूझबूझ और आपसी मेलजोल से किया जा सकता है।' अपने शब्दों में लिखिए।
2. गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

- वृक्ष लगाओ देश बचाओ
- बढ़ती जनसंख्या
- मेरा बचपन

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. अपने छोटे भाई को गणतंत्र दिवस का महत्त्व पत्र द्वारा समझाइए।
2. आपका बैग बस-अड्डे पर खो गया था। बस निरीक्षक द्वारा आपको आपका खोया हुआ बैग प्राप्त होने पर धन्यवाद देते हुए पत्र लिखें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 12. निम्न चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

अथवा

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लेखन करें। [5]

1. महिला और सब्जीवाले के मध्य संवाद लिखें।
2. माँ बेटे के मध्य पर्यावरण दिवस के बारे में हो रहे संवाद को लिखें।

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें। [5]

1. आरोग्य सेवा संबंधी एक वैद्य द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए।
2. घड़ी के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'ब'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - क,ख,ग,और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
7) पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [10]

गुरु पूर्णिमा के दिन हम गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान करते हैं। गुरु शब्द का अर्थ है 'अधंकार को दूर करने वाला'। गुरु अज्ञान को दूर करके हमें ज्ञान का प्रकाश देता है। वह ज्ञान जो हमें बतलाता है कि हम कौन हैं; विश्व से कैसे जुड़ें और कैसे सच्ची सफलता प्राप्त करें। आज छात्रों की प्रवृत्ति शिक्षक को कमतर आँकना है। आज का दिन उस संतुलन को पुन: स्थापित करने में सहायक होता है। यह जीवन के हर क्षेत्र में गुरु के महत्त्व पर बल देता है। एक खिलाड़ी की प्रतिभा एक कोच की विशेषज्ञता के अंतर्गत दिशा प्राप्त करती है। समर्पित संरक्षक गुरु एक संगीतकार की प्रतिभा को तराशता

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

है। अध्यात्म के मार्ग में एक खोजी के मस्तिष्क का अज्ञान गुरु का प्रबोध दूर करता है। गुरु-शिष्य का संबंध सर्वाधिक महत्त्व का है। गुरु के लिये गोविंद जैसी श्रद्धा होती है। ब्रह्म-विद् और ब्रह्मज्ञानी तथा ईश्वरीय साक्षात्कार में स्थित गुरु जो सूक्ष्मतम आध्यात्मिक संकल्पनाओं को प्रदान करने मे समर्थ हो, उसके मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है। गुरु के प्रति संपूर्ण समर्पण एक छात्र की सर्व प्रथम योग्यता है।

1. गुरु पूर्णिमा के दिन हम क्या करते हैं?

   उत्तर : गुरु पूर्णिमा के दिन हम गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान करते हैं।

2. गुरु शब्द का क्या अर्थ है? स्पष्ट करें।

   उत्तर : गुरु शब्द का अर्थ है 'अधंकार को दूर करने वाला'। गुरु अज्ञान को दूर करके हमें ज्ञान का प्रकाश देता है। वह ज्ञान जो हमें बतलाता है कि हम कौन हैं; विश्व से कैसे जुड़ें और कैसे सच्ची सफलता प्राप्त करें।

3. आज छात्रों की प्रवृत्ति गुरु के प्रति कैसी है?

   उत्तर : आज छात्रों की प्रवृत्ति शिक्षक को कमतर आँकना है।

4. गुरु के मार्गदर्शन के बिना क्या असंभव है?

   उत्तर : गुरु के मार्गदर्शन के बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. एक खिलाड़ी, एक संगीतकार और एक खोजी मस्तिष्क के लिए गुरु किस प्रकार से सहायक है?

उत्तर : एक खिलाड़ी की प्रतिभा एक कोच की विशेषज्ञता के अंतर्गत दिशा प्राप्त करती है। समर्पित संरक्षक गुरु एक संगीतकार की प्रतिभा को तराशता है। अध्यात्म के मार्ग में एक खोजी के मस्तिष्क का अज्ञान गुरु का प्रबोध दूर करता है।

6. उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दीजिए।

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश के लिए 'गुरु का महत्त्व' उचित शीर्षक है।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए। [3]

- कौशल - क् + औ + श् + अ + ल् + अ
- कृत्रिम - क् + ऋ + त् + र + इ + म् + अ
- सीमावर्ती - स् + ई + म् + आ + व् + अ + र् + त् + ई

प्र. 3. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर चंद्रबिंदु का प्रयोग कीजिए।[3]

- अगुली - अँगुली
- बासुरी - बाँसुरी

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।

- डिविजन - डिविज़न
- गाफिल - गाफ़िल

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर बिंदु का प्रयोग कीजिए।

- कनकड़ - कंकड़
- मनजीरा - मंजीरा

प्र. 4. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए। [3]

- प्रोत्साहित - इत
- होनहार - हार

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए।

- प्रसंग - प्र
- दुर्घटना - दूर्

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए।

- अंकित - अंक + इत
- चर्चित - चर्चा+ इत

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम चिह्न का प्रयोग करें। [3]

1. निधि विधि सानिका और श्यामली खेल रही हैं।

   उत्तर : निधि, विधि, सानिका और श्यामली खेल रही हैं।

2. यह सब क्या हो रहा है

   उत्तर : यह सब क्या हो रहा है?

3. महायज्ञ सेठ ने आश्चर्य से कहा

   उत्तर : महायज्ञ! सेठ ने आश्चर्य से कहा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 6. निम्नलिखित शब्दों में सही संधि-विच्छेद कीजिए। [4]

- शुभारंभ - शुभ + आरंभ
- उपर्युक्त - उपरि + युक्त
- अतएव - अतः + एव
- रूपांतरण - रूप + अंतरण

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक]

प्र. 7. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:[2+2+2=6]

1. सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ?

उत्तर : सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर लंच डिनर की जगह खिचड़ी बनने लगी। खाने में सादगी आ गई और अब भी अतिथि नहीं जाता तो उपवास तक रखना पड़ सकता था। ठहाकों के गुब्बारों की जगह एक चुप्पी हो गई। सौहार्द अब धीरे-धीरे बोरियत में बदलने लगा।

2. उस स्त्री के लड़के की मृत्यु का कारण क्या था?

उत्तर : उस स्त्री का लड़का एक दिन मुँह-अंधेरे खेत में से बेलों से तरबूजे चुन रहा था की गीली मेड़ की तरावट में आराम करते साँप पर उसका पैर पड़ गया और साँप ने उस लड़के को डस लिया। ओझा के झाड़-फूँक आदि का उस पर कोई प्रभाव न पड़ा और उसकी मृत्यु हो गई।

3. लोग किन-किन चीज़ों का वर्णन करते हैं?

उत्तर : लोग आकाश, पृथ्वी, जलाशयों का वर्णन करते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. साधारण से साधारण आदमी तक के दिल में क्या बात अच्छी तरह घर कर बैठी है?

उत्तर : साधारण आदमी धर्म के नाम पर उबल पड़ता है, चाहे उसे धर्म के तत्वों का पता न हो क्योंकि उनको यह पता है कि धर्म की रक्षा पर प्राण तक दे देना चाहिए।

प्र. 7. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. 'बुद्धि पर मार' के संबंध में लेखक के क्या विचार हैं?

उत्तर : बुद्धि पर मार' का अर्थ है लोगों की बुद्धि में ऐसे विचार भरना जिससे वे गुमराह हो जाएँ। इससे उनके सोचने समझनी की शक्ति नष्ट हो जाए। लेखक का विचार है कि विदेश में धन की मार है तो भारत में बुद्धि की मार। यहाँ बुद्धि को भ्रमित किया जाता है। जो स्थान ईश्वर और आत्मा का है, वह अपने लिए ले लिया जाता है। फिर इन्हीं नामों अर्थात धर्म, ईश्वर, ईमान, आत्मा के नाम पर अपने स्वार्थ की सिद्धी के लिए सामान्य लोगों को आपस में लड़ाया जाता है।

2. लेखक भगवाना की माँ की सहायता करना चाहते हुए भी क्यों न कर पाया?

उत्तर : लेखक भगवाना की माँ की सहायता करना चाहता था परंतु बीच में उनकी पोशाक आड़े आ गई। वे भगवाना की माँ का दु:ख-दर्द दूर करने के बारे में सोचते तो हैं परंतु सामाजिक डर के कारण कर नहीं पाते। लेखक सोचने लगते हैं कि यदि वे भगवाना की माँ की मदद करते हैं तो न जाने समाज उनके साथ कैसा बर्ताव करें। इस प्रकार पोशाक की अड़चन

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

और सामाजिक डर के कारण लेखक भगवाना की माँ की मदद नहीं कर पाए।

प्र. 8. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए। [2+2+2=6]

1. दूसरे पद की 'जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : इस पंक्ति का आशय यह है कि गरीब और निम्नवर्ग के लोगों को समाज सम्मान नहीं देता। उनसे दूर रहता है। परन्तु ईश्वर कोई भेदभाव न करके उन पर दया करते हैं, उनकी सहायता करते हैं, उनकी पीड़ा हरते हैं।

2. जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है, वहाँ का माहौल कैसा होता है?

   उत्तर : जहाँ अगरबत्तियाँ बनती है वहाँ का माहौल बड़ा ही गंदगी से भरा और प्रदूषित होता है। इनका घर कूड़े-कर्कट, बदबूदार, तंग और बदबू से भरे गंदे नालों के पास होता है। यहाँ इतनी बदबू होती है कि सिर फट जाता है। ऐसी विषम परिस्तिथियों में रहने के बाद भी ये दूसरों के जीवन में खुशबू बिखरने का काम करते हैं।

3. अवध नरेश को चित्रकूट क्यों जाना पड़ा?

   उत्तर : अवध नरेश को चित्रकूट अपने वनवास के दिनों में जाना पड़ा। यहाँ कहने का तात्पर्य यह है कि संकट के समय सभी को ईश्वर की शरण में जाना पड़ता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. 'और मुफ़लिस-ओ गदा है वो भी आदमी' - पंक्ति में किसके विषय में कहा जा रहा है?

उत्तर : 'और मुफ़लिस-ओ गदा है वो भी आदमी' - पंक्ति में गरीब और दीन व्यक्तियों के विषय में कहा जा रहा है।

प्र. 8. (ब) निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [5]

1. नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है?

उत्तर : नए बसते इलाके में कवि रास्ता भूल जाता है क्योंकि वहाँ पर प्रतिदिन नए मकान बनते चले जा रहे हैं। इन मकानों के बनने से पुराने पेड़, खाली ज़मीन, टूटे-फूटे घर सब कुछ गुम हो गए हैं। कवि ने अपने घर तक पहुँचने के लिए जो निशानियाँ बनाई थी वो भी इस नित्य प्रतिदिन बदलाव के कारण मिट गयी हैं। इसलिए कवि रास्ता भूल जाता है।

2. कवि अग्नि पथ पर चलते हुए छाँह माँगने के लिए मना क्यों करता है?

उत्तर : मनुष्य अपने मन के संकल्प से न डिगे इसलिए कवि अग्नि पथ पर चलते हुए छाँह माँगने के लिए मना करता है। कवि नहीं चाहता कि मनुष्य सुख-सुविधाओं के मोह में पड़कर आपने लक्ष्य से भटक जाय। कवि चाहता है कि मनुष्य संघर्ष रूपी मार्ग में बिना किसी सहारे, सुखों की अभिलाषा और हर परिस्थिति का सामना करते हुए अपने लक्ष्य पर ही ध्यान केन्द्रित करते हुए आगे बढ़े।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [6]

1. दिए जल उठे पाठ द्वारा यह कैसे सिद्ध होता है कि – 'कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालिक सूझबूझ और आपसी मेलजोल से किया जा सकता है।' अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : 'कैसी भी कठिन परिस्थिति हो उसका सामना तात्कालिक सूझबूझ और आपसी मेलजोल से किया जा सकता है।' इस कथन पर प्रकाश डालने के लिए पाठ का एक प्रसंग- गांधी जी अपनी दांडी यात्रा पर थे। उन्हें मही नदी पार करनी थी। ब्रिटिश सरकार ने नदी के तट के सारे नमक भंडार हटा दिए थे। वे अपनी यह यात्रा किसी राजघराने के इलाके से नहीं करना चाहते थे। जब वे कनकपुरा पहुँचे तो एक घंटा देर हो गई। इसलिए गांधी जी ने कार्यक्रम में परिवर्तन करने का निश्चय किया कि नदी को आधी रात में समुद्र में पानी चढ़ने पर पार किया जाए ताकि कीचड़ और दलदल में कम से कम चलना पड़े। तट पर अँधेरा था। इसके लिए लोगों ने सूझबूझ से काम लिया और थोड़ी ही देर में हज़ारों दिए जल गए। हर एक के हाथ में दीया था। इससे अँधेरा मिट गया। दूसरे किनारे भी इसी तरह लोग हाथों में दीये लेकर खड़े थे। गांधी जी के मिलन और सूझबूझ ने कठिन परिस्थितियों पर काबू पाकर लोगों के ह्रदय में स्थान बना लिया।

2. गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया?

उत्तर : गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि वह उसका पहला बसंत था। बाहर की गिलहरियाँ खिड़की की जाली के पास आकर चिक-चिक करके कुछ-कुछ कहने लगीं। उस

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

समय गिल्लू जाली के पास आकर बैठ जाता था और उन्हें निहारता रहता था। तब लेखिका को लगा के अब गिल्लू को मुक्त कर देना चाहिए। वह अपने साथियों से मिलना चाहता था। लेखिका ने उसे मुक्त करने के लिए जाली का कोना खोल दिया ताकि इस मार्ग से गिल्लू आ-जा सके।

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए। [6]

वृक्ष लगाओ देश बचाओ

भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार पेड़ को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। वन वातावरण में से कार्बन डाईऑक्साइड को कम करते हैं। वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। बहुमूल्य ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ हमें भोजन, घरों के निर्माण और फर्नीचर बनाने के लिए हमें लकड़ी प्रदान करते हैं। वे हमें ईंधन के लिए लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ देते हैं। बढ़ती आबादी, शहरीकरण के कारण हरियाली तेजी से कम हो रही है। जितनी तेज़ी से हम इनकी कटाई कर रहे हैं, उतनी तेज़ी से ही हम अपनी जड़ें भी काट रहे हैं। वृक्षों के कटाव के कारण आज भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेड़ों का क्रूर वध हमारे विनाश में सहायक होगा। रेगिस्तान का विस्तार होगा, नदियाँ सूख जाएगी, पानी की कमी होगी, भूमि बंजर हो जाएगी, प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। हमारा अस्तित्व उन पर निर्भर करता है इसलिए हमें पेड़ों की रक्षा करनी होगी। पर्यावरण की समस्याओं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

का एकमात्र समाधान पेड़ों की सुरक्षा है। सरकार ने जनमानस को जागृत करने के लिए 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम आरंभ किया।
पर्यावरण को बचाने के लिए यह हमारे जागने का वक्त है। सिर्फ जागने का ही नहीं, कुछ करने का भी। इसके लिए जरूरी है कि हम पेड़ लगाएँ। विनोबा भावे ने हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए यह संदेश दिया है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि वन ही जीवन है, इस वन-जीवन से हम प्यार करें और वृक्षों को लगाकर इसकी रक्षा करे।

बढ़ती जनसंख्या

बढ़ती हुई जनसंख्या हमारे देश में एक विकराल रूप लेती जा रही है। किसी जी देश की जनसंख्या यदि उस देश के संसाधनों की तुलना में अधिक हो जाती है तो वह देश पर अनचाहा बोझ बन जाती है। जनसंख्या बढ़ने से जीवन की प्राथमिक आवश्यकताएँ- भोजन, वस्त्र और मकान भी पूरे नहीं पड़ते।
बढ़ती हुई जनसंख्या किस तरह से संसाधनों को निगलती जा रही है इसका सबसे बड़ा उदाहरण है बढ़ती हुई महँगाई। बढ़ती जनता को रोजगार देने के लिए, जंगलों को खत्म करने के बाद बढ़ता औद्योगिकरण अब हमारे गाँव में पैर पसार रहा है! फलस्वरूप कम्पनियों की फैक्ट्रियों अब गाँव की शुद्ध जलवायु में जहर घोल रही है वहाँ की उपजाऊ जमीन पर बसी फैक्ट्री अब गेहूँ के दाने नहीं बल्कि काँच के गोलियाँ पैदा कर रही है। आबादी बढ़ने से स्थिति और भी अधिक भयावह हो जाएगी, तब जलापूर्ति, आवास, परिवहन, गंदे पानी का निकास, बेरोजगारी का अतिरिक्त भार, महँगाई, बिजली जैसी आधारभूत संरचना पर अत्यधिक दबाव पड़ता नजर आएगा। सरकार को चाहिए कि वो कुछ गंभीर और सख्त नियम बनाए। जिससे जनसंख्या नियंत्रित की जा सके। आज जनसंख्या के मामले मे राष्ट्र को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

सही शिक्षा देने की सबसे ज्यादा जरूरत है क्योंकि शिक्षा, राष्ट्र की सबसे सस्ती सुरक्षा मानी जाती रही है। जन जागरण अभियान, पुरुष नसबंदी, गर्भ निरोधक गोलियाँ, देर से विवाह जनसंख्या को रोकने के उपाय है।

मेरा बचपन

हम सबका बचपन तितली की तरह उड़ता, चिड़िया की तरह चहकता और गिलहरी की तरह फुदकता हुआ था। सुख और दु:ख की घनी छाँव क्या होती है, इसकी हमें खबर न थी। मनुष्य के बचपन के दिन बड़े सुनहरे होते हैं। ये वह दिन होते हैं, जिसकी मधुरता जीवनभर प्रसन्नता भरती रहती है। जब भी बचपन की तस्वीर सामने आती है ढेर सारी यादें ताज़ा हो जाती हैं।

बचपन में माँ बड़ा दुलार किया करती थी। पापा रोज़ शाम को कार्यालय से आते हुए मेरे खाने के लिए कुछ न कुछ लाया करते थे। तितलियों और पतंगों को पकड़कर डिब्बे में बंद कर एक साथ छोड़ना, पतंगों के पीछे धागे बाँधना, कीचड़ से सने पैरों समेत बेधड़क घर में घुस जाना, केंचुए पर नमक छिड़ककर उसका छटपटाना देखना, कितनी बार अपने सपनो का घर बनाते तो कभी गुड्डे-गुडियों की शादी करते, कभी लड़कियों की चोटी खींचते और उन्हें परेशान करते उस पर पापा की वो डाँटे और वो गलती पर मम्मी को मनाना होता था, कभी बारिश में कागज़ की नाव बहाए, हमारी गेंद पड़ोसियों के घरों में चली जाती।

सावन की पहली फुहार का बेताबी से इंतजार रहता था हम सबको। बूँदें धरती पर गिरी नहीं कि हथेली उसे सहेजने के लिए अपने आप ही आगे बढ़ जाती थी। कागज की कश्ती बनाना और उसे दूर तक जाते हुए देखना कितना सुखद अहसास है। छुट्टियों मे हम सुबह सुबह साइकिल दुकान

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

पहुँच जाते और साइकिले लेकर चल देते। साइकिलों की दौड़ होती थी और ढेर सारे करतब किये जाते थे।

इस तरह बचपन की मधुर स्मृतियाँ मनुष्य के मन को खुशी से भर देती है।

प्र. 11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें। [5]

1. अपने छोटे भाई को गणतंत्र दिवस का महत्त्व पत्र द्वारा समझाइए।

निर्मला भवन,

सरला नगर,

राजापुर।

दिनाँक: 2 जनवरी 2015

प्रिय सागर,

सस्नेह।

तुम्हारा पत्र मिला। यहाँ सब ठीक है, आशा है तुम वहाँ सकुशल होगे। पत्र में तुम गणतंत्र दिवस के बारे में जानना चाहते थे और यह बहुत खुशी की बात है।

हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्र होने से पहले देश के नागरिक 26 जनवरी को स्वतंत्रता प्राप्त करने की प्रतिज्ञा लिया करते थे। 26 जनवरी, 1950 को हमारे देश ने एक संविधान स्वीकार किया है। इसी कारण यह दिवस राष्ट्रीय पर्व के रुप में मनाया जाता है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को कुछ अधिकार दिए हैं। इसके साथ कुछ उत्तरदायित्व भी सौपें हैं। इन्हें हम संविधानिक उत्तरदायित्व कहते है। जैसे कानून का पालन करना, राष्ट्रीय धरोहर की देखभाल करना, सार्वजनिक स्थान पर अनुशासन बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

आशा है, तुम गणतंत्र दिवस और अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से समझ गए होगे। अपना ख्याल रखना और पत्र लिखते रहना।

तुम्हारी बहन,

सीमा

2. आपका बैग बस-अड्डे पर खो गया था। बस निरीक्षक द्वारा आपको आपका खोया हुआ बैग प्राप्त होने पर धन्यवाद देते हुए पत्र लिखें।

सेवा में,

बस निरीक्षक

बांद्रा बस स्थानक,

बांद्रा।

दिनाँक: 20/12/20xx

विषय: खोया बैग सकुशल पाने पर धन्यवाद पत्र।

महोदय,

कल ही मुझे एक सज्जन के माध्यम से आपके द्वारा भेजा गया मेरा खोया हुआ बैग प्राप्त हुआ। मेरे पास तो जैसे आपका आभार प्रकट करने के लिए शब्द ही नहीं है। जब से मेरा बैग खोया था, तब से मैं बहुत परेशान चल रहा था क्योंकि बैग में मेरे जरूरी कागजात, घर और कार्यालय कुछ जरूरी चाबियाँ भी थी। यदि शीघ्र ही आपके द्वारा मेरा बैग न मिलता, तो कितने ही आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो जाता। आपकी कृपा से ही मैं परेशानियों से बच गया। आपको पुन: कोटि-कोटि धन्यवाद। वैसे बैग खो जाने में मेरी ही गलती थी।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ।

भवदीय

सीताराम जालान

रावल पाडा

दहिसर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्र. 12. निम्न चित्रों में से किसी एक चित्र का वर्णन करें। [5]

उपर्युक्त चित्र में हमें एक नन्हा बच्चा नल के नीचे खड़ा दिखाई दे रहा है। उसके हाथ में एक गुल्लक है। जिसमें वह बूंद-बूंद पानी भरने का प्रयास कर रहा है। इस चित्र को देखकर हमें दो चीजें समझ आती है। पहली यह कि बूँद बूँद से घड़ा भरता है अर्थात् जीवन में की गई छोटी-छोटी बचत बड़ी काम आती है। दूसरा इस चित्र द्वारा शायद यह भी बताने का प्रयास किया जा रहा है कि यदि हम पानी की बर्बादी की ओर इसी तरह बेखबर रहे तो हमें पानी की बूँदें भी नसीब न होगी।

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

उपर्युक्त चित्र एक बाजार से संबंधित है। चित्र में हमें सड़क के दोनों ओर लगा बाजार नजर आ रहा है। अनेक लोग दिखाई दे रहे हैं। उनमें से कुछ सामान खरीद रहे हैं, तो कुछ अपना सामान बेच रहे हैं। सड़क पर वाहनों की आवाजाही भी चल रही है। सड़क के बीचों बीच एक तरबूजे की गाड़ी भी है। इस तरह के बाजारों में जनता को अपनी रोजमर्रा में काम आने वाली सारी चीजें आसानी से मिल जाती है। इतना ही नहीं इस प्रकार के छोटे बाजारों में फल-सब्जियाँ, मसाले आदि बड़े ताजे भी मिलते हैं। गाँवों में तो इस प्रकार के सप्ताह में एक बार लगने वाले हाट-बाजारों का अपना ही अलग महत्त्व होता है। इस दिन गाँव के लोग न केवल अपने जरुरत की चीजें खरीदते हैं बल्कि अपनी भी कुछ वस्तुओं बेचकर कुछ पैसे कमा लेते हैं। इस प्रकार के छोटे हाट-बाजार मनोरंजन, आपसी मेल मुलाकात का भी अच्छा स्थान होते हैं।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संवाद लेखन करें। [5]

1. महिला और सब्जीवाले के मध्य संवाद लिखें।

सब्जीवाला : क्या चाहिए मैडम?

महिला : प्याज

सब्जीवाला : छोटे या बड़े

महिला : दोनों के क्या दाम है?

सब्जीवाला : छोटे 25रु. और बड़े 20रु. किलो।

महिला : दो दिन पहले तो मैंने छोटे प्याज 20 रु. में खरीदे थे।

सब्जीवाला : आप सही कह रही है परंतु आज मार्केट में प्याज के दाम बढ़ गए है।

महिला : आप ठीक भाव लगा देना, मैं दूसरी सब्जी भी लेनेवाली हूँ।

सब्जीवाला : देखते हैं, और क्या दूँ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

महिला : आलू कैसे?

सब्जीवाला : 20रु. किलो

महिला : 1 किलो देना

सब्जीवाला : ये लीजिए।

महिला : अब ठीक हिसाब कर दो।

सब्जीवाला : ठीक है मैडमजी।

2. माँ बेटे के मध्य पर्यावरण दिवस के बारे में हो रहे संवाद को लिखें।

बेटा : माँ, ओ माँ!

माँ : अरे, आ गए बेटा!

बेटा : हाँ माँ ...।

माँ : आज स्कूल से आने में काफी देर लगा दी...।

बेटा : हाँ माँ, तुम जानती तो थी आज विश्व पर्यावरण-दिवस जो है।

माँ : हाँ तुमने मुझे सुबह बताया था,तो क्या कोई विशेष कार्यक्रम था तुम्हारे विद्यालय में?

बेटा : हाँ माँ, आज हमारे विद्यालय में धरती संस्था के सदस्य आये थे।

माँ : तब तो जरूर उन्होंने पेड़-पौधों के बारे में विशेष जानकारी दी होगी।

बेटा : हाँ, उन्होंने जानकारी भी दी और हम छात्रों के हाथों पौधे भी लगवाए।

माँ : तुमने कौन-सा पौधा लगाया?

बेटा : मैंने अर्जुन का पौधा लगाया, माँ।

माँ : बहुत खूब।

बेटा : जानती हो माँ, शिक्षक बता रहे थे कि यह पौधा हृदय-रोग में काम आता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

माँ : वह कैसे?

बेटा : इसकी छाल और पत्ते से ह्रदय-रोग की दवा बनती है।

माँ : पेड़-पौधों के बारे में शिक्षक ने और क्या-क्या बताया?

बेटा : उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण को संतुलित रखते हैं। वे हमें ऑक्सीजन देते हैं। इन्हें अपने आस-पास लगाने चाहिए।

माँ : बहुत खूब बेटा! चलो अब जल्दी से हाथ मुँह धो लो तो भोजन करें।

बेटा : ठीक है माँ, बस अभी आया।

प्र. 14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर विज्ञापन का प्रारूप तैयार करें। [5]

1. आरोग्य सेवा संबंधी एक वैद्य द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए।

आयुर्वेद का क्रांतिकारी अविष्कार

क्या आप किसी भी तरह की बीमारी से परेशान हैं?

तो मिलिए हमारे निष्णात वैद्‍य से।

करवाइए अपनी बीमारी का सटीक और अचूक इलाज।

आर.के.आयुर्वेद

संपर्क करें - ०२१११११२२१

अथवा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2. घड़ी के विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए।

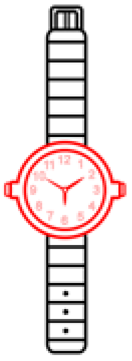

अरनिया घड़ी

सही समय बतलाती

अरनिया घड़ी हर नारी को भाती

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in